भारतीय उच्चायोग

कैनबरा

तारीख: 31 मई, 2013

निविदा आमंत्रण

भारतीय उच्चायोग, कैनबरा वीजा/ पासपोर्ट/ ओसीआई/ पीआईओ और अन्य विविध कांसुली सेवाएं जारी किए जाने के लिए विदेशी राष्ट्रिकों के आवेदनों पर कार्यवाही करने में अपने कांसुली पक्ष की सहायता के लिए एजेंसियों की पूर्व अर्हता प्राप्त करना चाहता है। इस प्रकार अभिनिर्धारित एजेंसियां, भारतीय उच्चायोग, कैनबरा तथा सिडनी, मेलबोर्न और पर्थ में अपने कॉंसलावासों की ओर से मोटे तौर पर निम्नलिखित कार्यों के लिए जिम्मेदार होंगी :

- (i) आवेदकों से पासपोर्टों, सहायक दस्तावेजों तथा शुल्क के साथ-साथ यथा निर्धारित वीजा/ पासपोर्ट/ ओसीआई/ पीआईओ और अन्य विविध कांसुली सेवा आवेदनों का वितरण, संग्रहण और संवीक्षा;
- (ii) वीजा/ पासपोर्ट/ ओसीआई/ पीआईओ और अन्य विविध कांसुली सेवा आवेदन, पासपोर्ट और अन्य संबंधित दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक फारमेट के साथ-साथ मूल रूप में त्वरित और सुरक्षित साधनों से भारतीय उच्चायोग, कैनबरा और उसके कॉंसलावासों के कांसुली पक्ष में और एकत्रित शुल्क मिशन द्वारा निर्दिष्ट बैंक में जमा कराना;
- (iii) अनुलग्नकों के साथ वीजा/ पासपोर्ट/ ओसीआई/ पीआईओ और अन्य विविध कांसुली सेवा आवेदन फार्मों का डिजिटाइजेशन/ सूचीयन, बायोग्राफिक डाटा एवं फोटोग्राफ प्राप्त करना और उस डाटा को इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजा जाना ताकि भारतीय उच्चायोग, कैनबरा और उसके कॉंसलावास प्रक्रिया के तहत अपेक्षानुसार उसे आईवीएफआरटी प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर सके। विधिवत सूचीबद्ध यह डाटा, कुशल खोज एवं पुनः प्राप्ति ऑपरेशन के लिए भारतीय उच्चायोग, कैनबरा और उसके कॉंसलावासों को सीडी अथवा किसी अन्य भांडारण फार्मेट में भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। जब भी शुरूआत की जाए, फिंगर प्रिंट बाइऑमीट्रिक और फेशल बाइऑमीट्रिक डाटा कैप्चर करना और उस डाटा को इलेक्ट्रॉनिक रूप से भारतीय उच्चायोग, कैनबरा और उसके कॉंसलावासों को भेजना ताकि वे उसे आईवीएफआरटी प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर सकें;
- (iv) यही कार्य पासपोर्ट से संबंधित सेवाओं और कांसुली आवेदनों के मामले में मीटा डाटा फाइल सृजित करके और अनुलग्नकों के लिए अटैचमेंट/ सब फाइल सृजित करके किया जाना चाहिए। यह कार्य यथास्थिति वीजा एवं अन्य सेवाओं के लिए खोज एवं पुनः प्राप्ति अपेक्षाओं हेतु उचित प्रक्रिया की स्थापना के लिए भारतीय उच्चायोग, कैनबरा और उसके कॉंसलावासों एवं एनआईसी के साथ समन्वय से किया जाए;
- (v) सेवा प्रदान कर दिए जाने के बाद कांसुली पक्ष से पासपोर्ट एकत्र करना;
- (vi) सुरक्षित और त्वरित साधनों से दस्तावेज आवेदकों को भेजना/ सौंपना;
- (vii) फोन पर प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सूचना डेस्क/ सेवा का रखरखाव, मुद्रित दिशा निर्देशों का वितरण और यथास्थिति ई-मेल अथवा फैक्स से प्रश्नों के उत्तर देना; और
- (viii) मिशन/ कॉंसलावासों के कांसुली पक्ष में आवेदकों के व्यक्तिगत साक्षात्कार निर्धारित करना।

2. भारतीय उच्चायोग कैनबरा की ओर से उपर्युक्त कार्यों के निर्वहन के लिए एजेंसी से कैनबरा, सिडनी, मेलबोर्न, पर्थ, एडीलेड और ब्रिसबेन में प्रमुख स्थलों पर संग्रहण केन्द्र स्थापित करने की उम्मीद की

जाती है। उच्चायोग आवश्यक समझे जाने पर आस्ट्रेलिया के अन्य शहरों में केन्द्रों की संख्या बढ़ा सकता है। एजेंसियों से उम्मीद की जाती है कि वे हर समय विनम्र और कुशल सेवा प्रदान करेंगी। उच्चायोग को प्रदान की जा रही सेवा की गुणवत्ता पर निगरानी रखने तथा उनके संविदात्मक दायित्वों के संदर्भ में एजेंसियों पर आवश्यक सुधारात्मक उपाय लगाने का अधिकार है। चयनित एजेंसियों को एक बैंक गारंटी उपलब्ध करानी होगी जिसकी राशि प्रस्ताव हेतु अनुरोध में दी गई है।

3. (i) निविदा प्रक्रिया में भाग लेने की इच्छुक एजेंसियों की वित्तीय स्थिति मजबूत होनी चाहिए और उनका व्यापारिक रिकार्ड बेहतर होना चाहिए और उनके पास समान प्रकार की सेवाएं प्रदान करने और एक वर्ष में प्रतिदिन औसतन न्यूनतम 100 वीजा अथवा पासपोर्ट अथवा कांसुली सेवाओं पर कार्यवाही करने में राजनयिक मिशन/ मिशनों अथवा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से केन्द्र के संचालन का न्यूनतम एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इन योग्यताओं को पूरा करने वाली एजेंसियों को पूर्व अर्हता के विस्तृत प्रस्ताव के साथ-साथ अपनी प्रोफाइल और अभिरुचि की अभिव्यक्ति भेजने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

(ii) भारतीय/ विदेशी मूल के स्थानीय भागीदार के साथ अथवा के बगैर केवल भारतीय अथवा भारतीय मूल की कंपनियां ही आवेदन के लिए योग्य होंगी। (परिभाषाएं एवं स्पष्टीकरण प्रस्ताव हेतु अनुरोध में देखे जा सकते हैं)।

4. सभी प्रस्तावों/ निविदाओं के साथ भारतीय उच्चायोग, कैनबरा के नाम देय 3,000/- आस्ट्रेलियाई डॉलर (तीन हजार आस्ट्रेलियाई डॉलर मात्र) का चैक संलग्न किया जाना चाहिए। यह राशि प्रत्यर्पणीय होगी। यह चैक एक अलग लिफाफे में रखा जाना चाहिए जिस पर 'प्रत्यर्पणीय जमा राशि' लिखा होना चाहिए और इसे 'वित्तीय निविदा' अथवा 'तकनीकी निविदा' के लिफाफे के साथ नहीं रखा जाना चाहिए। यह राशि पूर्व अर्हता निविदाओं को खोले जाने के पश्चात् मिशन और बैंक के पांच कार्य दिवसों के अंदर वापस कर दी जाएगी।

5. एजेंसियों को दो अलग-अलग लिफाफों में तकनीकी और वित्तीय निविदाएं प्रस्तुत करनी होंगी। पहले स्तर पर केवल तकनीकी निविदाएं खोली जाएंगी और उनकी जांच की जाएगी तथा तकनीकी अपेक्षाओं को पूरा करने वाले निविदादाताओं का चयन वित्तीय निविदाएं खोले जाने के लिए किया जाएगा। किसी शेष निविदा पर आगे कार्यवाही नहीं की जाएगी। तकनीकी मूल्यांकन के संबंध में अर्हक कंपनियों की वित्तीय निविदाएं अगले स्तर पर खोली जाएंगी तथा सफल सेवा प्रदाता के चयन के लिए संविदा मूल्य मानदंड होगा। यदि एक से अधिक कंपनियों के संविदा मूल्य समान होते हैं तो जिस कंपनी को उच्चतर ग्रेड दिया जाता है वही कंपनी योग्य होगी। मिशन द्वारा तकनीकी निविदाओं का मूल्यांकन किया जाएगा तथा निविदादाता कंपनियों द्वारा प्रस्तावित सेवाओं की गुणवत्ता के अनुसार ग्रेड दिया जाएगा। वित्तीय निविदाएं खोले जाने से पहले यह सूचना उन कंपनियों को दी जाएगी जिनकी वित्तीय निविदाएं अर्हक पाई जाएंगी। निविदादाता कंपनियों को प्रस्ताव हेतु अनुरोध में उल्लिखित किसी बिन्दु को छोड़े बगैर उसी प्रारूप और क्रम में प्रस्ताव हेतु अनुरोध के लिए विशिष्ट और स्पष्ट प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

6. प्रस्ताव/ निविदाएं मुहरबंद लिफाफों में भेजी जाएं जिन पर " वीजा/ पासपोर्ट/ ओसीआई/ पीआईओ और अन्य विविध कांसुली सेवाओं की आउटसोर्सिंग" लिखा हो (इसमें दो अलग-अलग मुहरबंद लिफाफे होंगे जिन पर "तकनीकी निविदा" और "वित्तीय निविदा" लिखा होगा) और ये मुहरबंद निविदाएं श्री मुकेश कुमार, चांसरी प्रमुख, भारतीय उच्चायोग, कैनबरा को इस प्रकार भेजी जाएं कि वे 01 जुलाई, 2013 को अधिकतम 1000 बजे तक मिशन में प्राप्त हो जाएं। सभी तकनीकी निविदाएं उसी दिन 1200 बजे खोली जाएंगी। एजेंसियों की पूर्व अर्हता के संबंध में भारतीय उच्चायोग, कैनबरा का निर्णय अंतिम होगा।